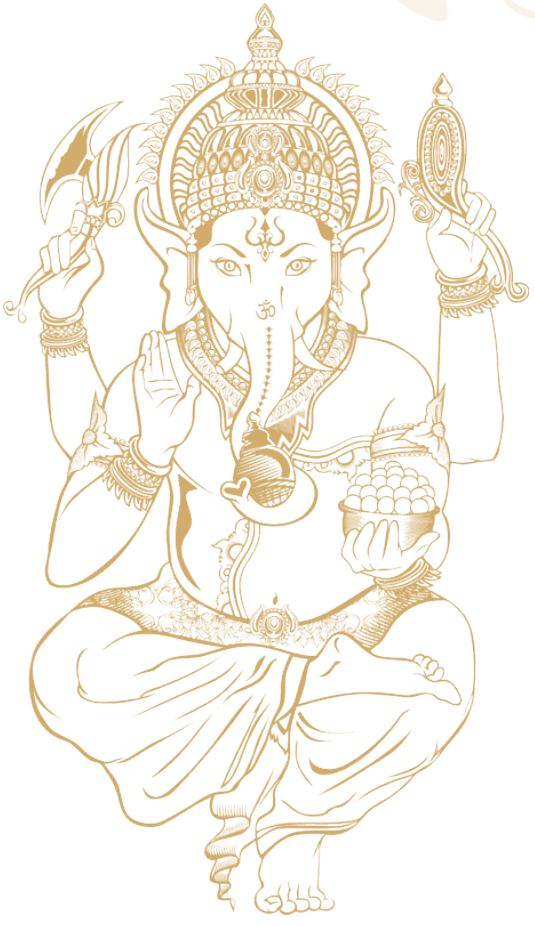

Shubh joshi

Vibhooti Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121945703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10-11/09/1994	जन्म तिथि	12/09/1998
शनि-रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 05:10:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 57:18:14	जन्म समय(घटी)	31:01:06 घटी
India	देश	India
Ajmer	स्थान	Kota
26:29:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
74:40:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:20	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:42	सूर्योदय	06:10:53
18:40:34	सूर्यास्त	18:33:42
23:47:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 17वर्ष 2मा 20दि		08:59:14	सिंह	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि	
बुध		24:14:24	सिंह	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु	
02/12/2011		04:34:48	वृश्चि	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009	
01/12/2028		22:13:08	मिथु	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027	
बुध	29/04/2014	16:20:16	कन्या	बुध	सिंह	14:01:36	राहु	09/10/2011
केतु	27/04/2015	17:37:27	तुला	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु	04/03/2014
शुक्र	24/02/2018	08:53:50	तुला	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि	08/01/2017
सूर्य	01/01/2019	14:31:14	कुंभ व	शनि व	मेष	09:08:01	बुध	28/07/2019
चन्द्र	01/06/2020	22:43:27	तुला	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु	15/08/2020
मंगल	29/05/2021	22:43:27	मेष	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र	15/08/2023
राहु	17/12/2023	28:47:02	धनु व	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य	09/07/2024
गुरु	24/03/2026	26:54:50	धनु व	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र	08/01/2026
शनि	01/12/2028	01:51:30	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

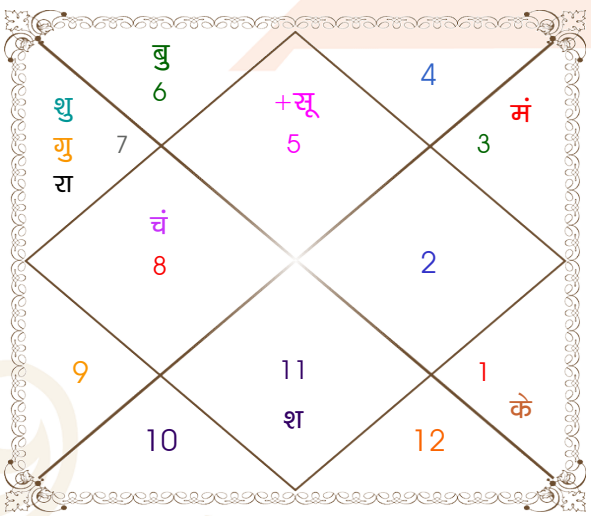

लग्न-चलित

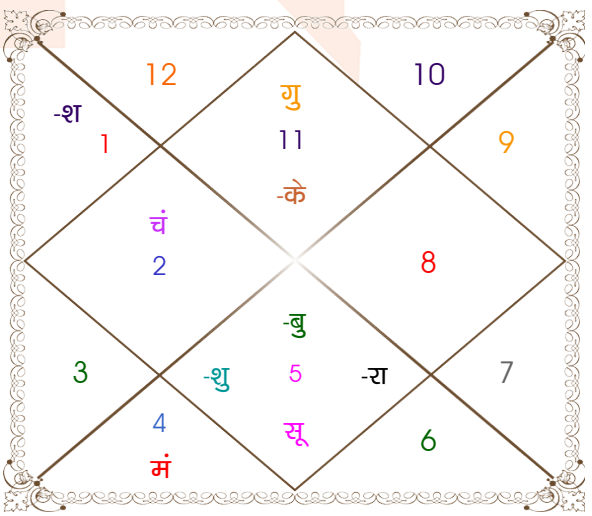

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

ौनइी रवीप का वर्ग सर्प है तथा टपइीववजपौंतउं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारौनइी रवीप और टपइीववजपौंतउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ौनइी रवीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

टपइीववजपौंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

ौनइी रवीप तथा टपइीववजपौंतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।